सुखी स्वस्थ और सम्मानित जीवन जीने के लिए सनातन संस्कृति रक्षा दल को समर्थन करें

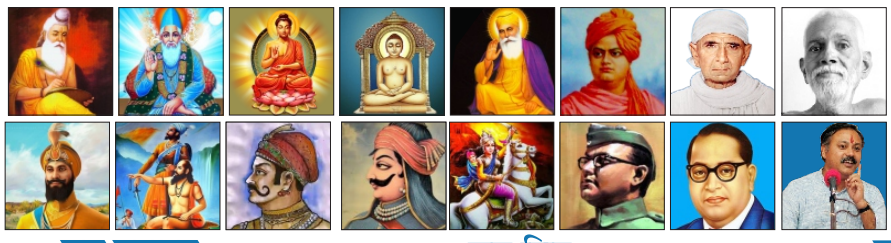

जय सनातन
सनातन दल अपनाऐं

जय हिन्द

जय भारत
देश को आनन्दमय बनायें

सनातन संस्कृति रक्षा दल

शुद्ध राजनीति | सुदृढ़ सरकार | सुंदर व्यवस्था

सनातन संस्कृति रक्षा दल

राजनैतिक दल
Political Party

राष्ट्रीय कार्यालय : तराँव, कोराँव, प्रयागराज उ.प्र. –212306 (भारत) सम्पर्क सूत्र 9651939344, 6398285526, 8881406665, 9956282464

ऊँ गुरू चरण दास
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9651939344
6398285526

सबका मंगल, सबका भला, सबकी उन्नति ।

॥ सर्वे भवन्तु सुखिन :, सर्वे सन्तु निरामया ॥ ॥ सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, माँ कश्चिद् दुःख भाग भवेत् ॥

अर्थात : सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय बनें और कोई भी दुःख का भागी न बनें । हे भगवन हमें ऐसा वर दो !

॥ घोषणा पत्र ॥

सभी प्राणियों के हित में रत
गुरु कृपा हि केवलं शिष्यस्य परम मंगलम्

बलदाऊ महाराज
राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

सम्राट विक्रम प्रताप सिंह
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

क्षितीश कुमार सोनी
प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली

॥ भारत पुनः विश्वगुरु हो यह है संकल्प हमारा ॥

योग युक्त भारत, स्वस्थ भारत, भय मुक्त भारत

विकास के विभिन्न क्षेत्र जो सनातन संस्कृति रक्षा दल ने निर्धारित किए हैं, वो निम्नानुसार हैं.

1. निःशुल्क शिक्षा गुरुकुल प्रणाली द्वारा दिया जाएगा ।
2. मुख्य आवश्यकताओं की पूर्ति को सर्व प्रथम प्राथमिकता दिया जायेगा जैसे–शिक्षा, जल, चिकित्सा, भोजन, आवास, रोजगार, बिजली राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पार्टी के कार्यकाल में योग्य योजनाएँ लागू किया जाएगा ।
3. जो पढ़े लिखे या डीग्री धारक हैं उनको रोजगार मुहैया किया जाएगा तथा स्वरोजगार के लिए अवसर व आर्थिक सहायता उपलब्ध किया जाएगा ।
4. डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से ट्रेनिंग, स्वरोजगार और नौकरी के अवसर प्रदान किये जायेंगे ।
5. जाति, पंथ, सम्प्रदाय, लिंग, धर्म का भेद न करते हुए सभी वर्गों के गरीब बच्चों को शिक्षा निःशुल्क दिया जायेगा सरकारी व गैरसरकारी ।
6. डिजिटल गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था के तहत, सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता को गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों से भी ज्यादा उन्नत करना है ।
7. विद्यार्थियों को गाय का दूध निःशुल्क उपलब्ध करवाया जायेगा ।
8. ग्रामीणों की सभी फसलों (फल, सब्जी व दूध) का वैधानिक दर्जा देकर उचित और लाभ कारी न्यूनतम समर्थन मूल्य तय की जायेगी ।
9. किसानों की न्यूनतम आमदनी सुनिश्चित की जाएँगी, लघु व सीमांत किसानों को 60 वर्ष के आयु के बाद का मासिक पेंशन भी दी जाएगी ।
10. किसानों को आधुनिक कृषि के साथ–साथ जैविक कृषि (Organic farming) द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं भूमि संरक्षण की पद्दति का निर्धारण किया जायेगा ।
11. गौ संरक्षण एवं संवर्धन मंत्रालय का गठन किया जायेगा ।
12. पशु पालन को बढ़ावा दिया जायेगा । गौशाला का निर्माण किया जायेगा व उनके संवर्धन के लिए मुआवजा सहित गौ–पालकों को मासिक वेतन भी दिया जायेगा ।
13. पशुधन संरक्षण व्यवस्था, हर गाँव में पशुशाला खोलना, गोबर गैसप्लांट, बायो गैसप्लान्ट लगाना जैविक खाद बनाना इसी के साथ देशी गाय के गोबर, मूत्र और दूध से 100 से भी ज्यादा उत्पाद बनाना ।
14. ग्रामीण क्षेत्र की मुख्य समस्याएँ जैसे–बिजली, भोजन और गैस के समाधान के लिए गोबर गैसप्लांट, सौर ऊर्जाप्लांट, पवन ऊर्जाप्लांट (संयंत्र) के वैकल्पिक संसाधनों को बढ़ावा दिया जायेगा ।
15. आयुर्वेद–प्राकृतिक एवं पंचगव्य चिकित्सा आदि को नए वैज्ञानिक पद्दति द्वारा जनमानस तक पहुँचाना है ।
16. देश के सैनिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके परिवारों पर हमारी सरकार विशेष ध्यान देगी ।
17. CRPF के जवानों को भी ड्यूटी में मरने पर शहीद का दर्जा दिया जायेगा । तथा उनके पेंशन लागू किये जायेंगे ।
18. राम मन्दिर / कृष्ण मंदिर आदि सभी सांस्कृतिक धरोहरों का निर्माण और उसकी सुरक्षा के लिए सनातन संस्कृति रक्षा दल वचन बद्ध है ।
19. महिला सशक्तिकरण के लिए सनातन संस्कृति रक्षा दल महिलाओं के सुरक्षा और विकास के लिए उचित मार्ग प्रशस्त करेगी ।
20. बेटा–बेटी बचाओं योजनाः 'नसबंदी' व 'भ्रूण हत्या' जैसे महा पाप पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाई जाएगी, जिसके आवश्यकता से अधिक बच्चे होंगे, उनकी लालन–पालन की जिम्मेवारी सरकार उठाएगी, सनातन धर्म के संस्कारों के अनुसार ही उनको शिक्षा–दीक्षा दी जाएगी । 'जिनके बच्चे हो दस–बीस, उनकी मदद करें जगदीश' ।
21. अध्यात्मिक उन्नति से नैतिक उन्नति, और नैतिक उन्नति से राष्ट्र उन्नति संभव है । गाय, गंगा, गुरु, एवं गीता का हो सम्मान, तभी होगा अपना देश महान, इन चारों से ही भारतीय संस्कृति टिकी है, इनका सुरक्षा और संवर्धन के लिए सनातन दल कटि बद्ध है। संतों और महापुरुषों पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाया जायेगा ।
22. गंगा की सफाई एवं उसके अविरल प्रवाह को जारी रखा जायेगा। गंगा के जल को हर शहर के अन्दर उपलब्ध कराया जायेगा ।
23. बस – ट्रेनों की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जायेगा, सरकारी बसों व ट्रेनों की किराये पर विशेष छुट दी जाएगी, यात्री ट्रेनों के सामान्य डिब्बों को बढ़ाने के साथ–साथ रिजर्वेशन की टिकट सभी को मिले, ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी ।
24. हवाईजहाज यात्रा के किराये को कम किया जायेगा जिससे कि सामान्य जन भी लाभ ले सकें ।
25. सभी प्रकार के टैक्सों व टोलटैक्सों में भी भारी छुट दीया जाएगा ।
26. जीएसटी की दरों को यथाउचित कम किया जाएगा तथा खेती में काम आने वाले साधनों को कर मुक्त किया जाएगा ।
27. सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा लाभ देने के लिए जन मित्र नियुक्त किए जायेंगे ।
28. सरकारी विभागों में होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए अत्याधिक गुप्त सैनिक बल की स्थापना की जाएगी ।
29. चाइना व अन्य देशों द्वारा निर्मित सभी वस्तुओं का बहिष्कार कर प्रतिबन्ध लगायेंगे। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा दिया जायेगा। घर–घर कुटीर उद्योग को लगाने के लिए बढ़ावा दिया जायेगा। राष्ट्रको आत्मनिर्भर बनाना और देश के हर एक व्यक्ति को स्वनिर्भर बनाना और राष्ट्रको पूर्ण रुप से स्वतंत्र कराना ।
30. बंद पेंशन को पुनः लागू करना है सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्रों (प्राइवेट सेक्टर) पर कार्यरत कर्मियों के लिए भी पेंशन की सुविधा लागू किया जायेगा ।
31. बालिक होने के बावजूद भी शादी के लिए माता पिता और समाज के पाँच लोगों का अनुमति लेना आवश्यक होगा ऐसा कानून लाया जाएगा ।
32. आतंकवाद फैलाने वाले देशों के साथ कड़ा व्यवहार किया जायेगा ।
33. बैंको में दिए जाने वाले करों की ब्याज दर में कमी तथा सरकारी या गैर सरकारी बैंको में जमा नागरिकों की धनराशी के लिए सुरक्षा मज़बूत किया जायेगा ।
34. सामान नागरिक आचार संहिता लागू किया जायेगा ।
35. कानून व्यवस्था में अंग्रेजों के समय से चले आ रहे गुलामी के कानूनों में मुलभुत संशोधन कर न्याय प्रक्रिया को तीव्र बनाया जायेगा। ताकि कोई केस वर्षों तक ना खींचे ।
36. सभी क्षेत्रों में अधिक से अधिक नये वैज्ञानिक शोध केन्द्रों की स्थापना की जायेगी । हम वैज्ञानिक शोध कर रहे व्यक्तियों का पूरा खर्चा उठाएंगे। R & D (रिसर्च एंड डेवलेपमेंट) केन्द्रों को जेलों में भी निर्माण करवाएंगे ।
37. प्रदूषण नियंत्रण हेतु वैकल्पिक उर्जा के संसाधनों का उपयोग एवं परमाणु संयंत्रो का निर्माण करवाया जायेगा ।
38. शहरों में ई– वेस्ट (ए थरींश) कलेक्शन सेंटर स्थापित करके, ई–वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण की दिशा में कदम बढ़ाएंगे ।
39. रीसाइकल और मरम्मत होने वाले उपकरणों का इस्तेमाल किये जायेंगे तथा पर्यावरण के लिए खतरनाक सामग्री का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन भी किये जायेंगे ।
40. भारत में प्लास्टिक से निर्मित राष्ट्रध्वज के उत्पादन, बिक्री और खरीद पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जायेगा ताकि जहाँ–तहाँ अपमान न हो सके । राष्ट्रगीत, राष्ट्रचिन्ह एवं राष्ट्रध्वज का पूर्ण सम्मान हो, ऐसी सर्वग्राही नीति निर्मित की जायेंगी ।
41. मनुष्य को सू संस्कारित देव मानव बनाने का योजना चलाया जाएगा
    - देशहित में कार्यरत सनातन संस्कृति रक्षा दल का प्रत्येक भारतवासी हृदय खोलकर प्रसन्नतापूर्वक हर प्रकार से योगदान प्रदान करें जिससे प्रत्येक भारतवासी के योगदान से भारत पुनः विश्वगुरू बनें ।
    - देशहित में कार्यरत सनातन संस्कृति रक्षा दल का खाता संख्या 37740200000075 बैंक ऑफ बड़ौदा शाखाःकोराँव प्रयागराज, उत्तर प्रदेश IFSC Code No. BARBO KORAON में सहयोग राशि प्रदान करे ।
    - देश के उज्जवल व सुन्दर भविष्य के निर्माण हेतु दल की सदस्यता अवश्य ग्रहण करें व देश को सम्पन्न बनाऐं ।

सत्य सनातन धर्म और भारत देश की रक्षा के लिए अनुदान करें
UPI Number - 9651939344
Bank of Baroda
BHIM Baroda Pay
SCAN TO PAY WITH ANY BHIM UPI APP
SANATAN SANSKRITI RAKSHA DAL
sanat96519@barodampay
UPI

धर्म चंद्र अग्रहरी
जिला अध्यक्ष मिर्जापुर
सनातन संस्कृति रक्षा दल

विशेष ध्यान दें देश के सभी महत्वाकांक्षी एवं सुयोग्य व्यक्तियों का सनातन संस्कृति रक्षा दल आवाहन करता हैं और सभी लोंगों का हृदय से स्वागत करता है ।

स्वागत करते हुए आपको कहना चाहते है कि

निवेदक :
समस्त भारतवासी

"यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः। तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम ।।"
हे राजन्! जहां योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण है और जहाँ गाण्डीव धनुषधारी अर्जुन हैं, वहीं पर श्री, विजय, विभूति और अचल नीति है–ऐसा मेरा मत है ॥

सनातन संस्कृति रक्षा दल यह पत्रक अच्छी तरह से पढ़ें और विचार करें फिर सनातन का साथ दें, स्वयं का भला करें। सनातन के साथ में ही सब का कल्याण है। ..... धन्यवाद

E-mail : sanatansanskritirakshadal@gmail.com Website : www.sanatansanskritirakshadal.org
Sanatan Sanskriti raksha dal @sanatanDal_ sanatansanskritiraksha.dal @sanatansanskritiRakshadalparty

सुखी स्वस्थ और सम्मानित जीवन जीने के लिए सनातन संस्कृति रक्षा दल को समर्थन करें

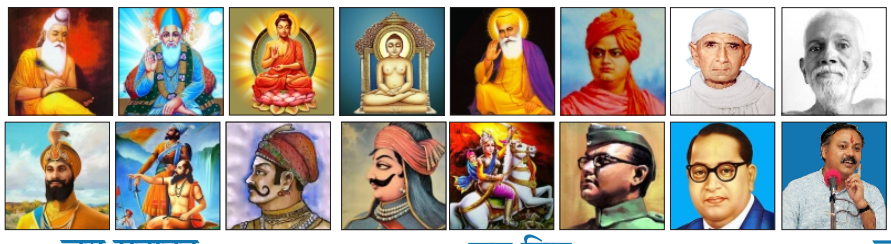

जय सनातन
सनातन दल अपनाऐं

जय हिन्द

जय भारत
देश को आनन्दमय बनायें

सनातन संस्कृति रक्षा दल

शुद्ध राजनीति | सुदृढ़ सरकार | सुंदर व्यवस्था

सनातन संस्कृति रक्षा दल

राजनैतिक दल
Political Party

राष्ट्रीय कार्यालय : तराँव, कोराँव, प्रयागराज उ.प्र. –212306 (भारत) सम्पर्क सूत्र 9651939344, 6398285526, 8881406665, 9956282464

ऊँ गुरू चरण दास
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9651939344
6398285526

सबका मंगल, सबका भला, सबकी उन्नति ।

॥ सर्वे भवन्तु सुखिन :, सर्वे सन्तु निरामया ॥ ॥ सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, माँ कश्चिद् दुःख भाग भवेत् ॥

अर्थात : सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय बनें और कोई भी दुःख का भागी न बनें । हे भगवन हमें ऐसा वर दो !

सभी प्राणियों के हित में रत

गुरु कृपा हि केवलं शिष्यस्य परम मंगलम्

॥ भारत पुनः विश्वगुरु हो यह है संकल्प हमारा ॥

योग युक्त भारत, स्वस्थ भारत, भय मुक्त भारत

बलदाऊ महाराज
राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

सम्राट विक्रम प्रताप सिंह
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

क्षितीश कुमार सोनी
प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली

॥ सिद्धान्त ॥

धारा : १ (क) भारत की प्रजा के प्रति उनके हितार्थ भारत के सभी भागों में देश हित के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करना ।
(ख) जनता में पारस्परिक सम्बन्धों को बढ़ाने एवं भारतीय हितों की सुरक्षा करना ।
(ग) जनता की समस्याओं का किसी भी स्थिति में समाधान करना ।

॥नीति॥

धारा : १ भारतीय प्रजा के हितार्थ स्वस्थ्य लोकमत का निर्माण करने दल की नीति का निर्धारण करने, दल की नीतियों का प्रचार करने संगठन को दृढ़ बनाने, प्रत्याशियों के चयन करने स्वस्थ्य सरकार का निर्माण करने जनता और शासन के मध्य विशेष कड़ी की भूमिका अदा करना, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्य आदि करके एक स्वस्थ्य भारतीय राजनीति का निर्माण करना ।

॥ लक्ष्य ॥

धारा :१ (क) भारतीय प्रजा के व्यक्तित्व विकास, योग्यता तथा वांछित शिक्षा की समुचित व्यवस्था करना ।
(ख) भारतीय प्रजा के लिए व्यवसाय, उद्योग धन्धों एवं रोजी–रोटी की दिशा में समुचित कार्य करना ।
धाराः २ (क) भारतीय प्रजा के शोषित वर्ग के लोगों के शोषण का अन्त करना ।
(ख) ग्रामीण कुटीर उद्योगों को लघु उद्योगों कृषि का राष्ट्रीयकरण तथा मजदूरों की दशा को सुधारना ।
(ग) भारतीय नागरिकों के तन–मन से सभी प्रकार की हीन भावनाओं को दूर करना तथा उनमें पुरुषार्थ, उत्साह, प्रेम की भावना को उजागर करना ।
धाराः ३ (क) भारतीय प्रजा के हितार्थ राजनेताओं की कुर्सी के प्रति ललक भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, धन का लोभ एवं भूख की भावना को समाप्त करना ।
(ख) राजनेताओं के द्वारा दलबदल की प्रवृत्ति को थोड़े–थोड़े के अन्तराल पर लोक सभा विधान सभा व अन्य चुनावों के होने से देश के शासन की राजनैतिक स्थिरता, शासकों के प्रति जनता का मोहभंग व अविश्वास को विश्वास में पुनः स्थापित करना ।
धाराः ४ (क) भारतीय प्रजा के हितार्थ अनुवादी पुरानी रीति–रिवाजों की व्यवस्थाओं को पुनः संचालित करना ।
(ख) भारतीय सनातन संस्कृति की सुरक्षा व्यवस्था करना ।
(ग) भारत के दलित कमजोर वर्ग तथा समाज के सभी वर्गों के नागरिकों का सर्वांगीण विकास करना ।
धाराः ५ (क) भारतीय प्रजा के हितार्थ जातिवाद, ऊच–नीच जैसी कुंण्ठित भावना को प्रजा के मन से समाप्त करना ।
(ख) एक ऐसे राज्य व्यवस्था की स्थापना जहाँ 'शेर–बकरी एक घाट पानी पियें' इस कथन की पुष्टि हो ।
धाराः ६ देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम रखने हेतु देश के हर नागरिकों को उनके अधिकारों व कर्तव्यों की जानकारी देना । राष्ट्र में एकता, अनुशासन, समानता का सबमें आत्मभाव का पाठ प्रजा को पढ़ाना ।
धाराः ७ भारतीय प्रजा के हितार्थ प्रजा के मन मस्तिष्क में अहिंसा एवं प्रेम की भावना को उत्पन्न करना भारतीय गणतन्त्र को विकसित करने हेतु भारतीय प्रजा में एकता एवं अखण्डता की भावना उत्पन्न करके भारत राष्ट्र को विश्व स्तर पर गौरान्वित करना ।
धारा : ८ (क) भारतीय प्रजा में देश व समाज का विकास करने मानवता व देश भक्ती की राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न करना ।
(ख) समाज से षड्यंत्र एवं पाश्चात्य सभ्यता को समाप्त करना ।
धारा : ९ भारतीय प्रजा के हितार्थ व राष्ट्र के विकासार्थ राजव्यवस्था में सभी की भागीदारी प्रजा के हितार्थ संघीय व्यवस्था के साथ सहकारिता की भावना के साथ संघीय व्यवस्था की भावना का संयोजन करना ।
धाराः १० (क) प्रजा के हितार्थ शिक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत, हिन्दी, योगासन, प्राणायाम एवं आयुर्वेद के विषय में जानकारी देना तथा इनके महत्व को समझाना ।
(ख) भारत देश में एक समान आर्थिक समानता लाना ।
(ग) बोलचाल की भाषा में हिन्दी एवं संस्कृत को अनिवार्य रूप से वरीयता देना ।
धाराः ११ (क) भारतीय प्रजा के हितार्थ राष्ट्र में एकता के पक्ष में शसक्त लोकतन्त्र का निर्माण करना ।
(ख) भारतीय प्रजा में विघटनकारी तत्वों पर अंकुश लगाने का कार्य करना ।
धाराः १२ (क) भारतीय प्रजा में अन्तर्देशीय सांस्कृतिक विनिमय, राजनैतिक दलों की स्वस्थ्य भूमिका को शसक्त रूप से मजबूत करना।
(ख) भारतीय प्रजा के हितार्थ व राष्ट्र के विकासार्थ राष्ट्रीय एकता के मार्ग में आने वाली बाधएं जैसे– जातीयता, अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक की भावना क्षेत्रीयता अथवा प्रादेशिकता, आर्थिक विषमता, भाषा की विषमताएं, हिंसक गतिविधियां, सामाजिक कुरीतियाँ, रिश्वत खोरी एवं भ्रष्टाचार, जीव हत्या, भ्रूण हत्या नशाखोरी जैसी जटिल समस्याओं का निवारण करना ।
धारा : १३ नैतिक शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा के अभाव को दूर करना तथा गरीबी और बेरोजगारी की सम्पूर्ण समस्या को भी दूर करना ।

॥ उद्देश्य ॥

धाराः १ भारतीय प्रजा के सामाजिक, आर्थिक एवं नैतिक उत्थान के लिए कार्य करना ।
धारा : २ भारत की प्रजा के हितार्थ प्रगतिशील एवं नैतिक उत्थान के माध्यम से पिछड़ों, दलितों, कमजोर, महिलाओं के हितों व अधिकार के सम्बन्ध में जनजागरूकता का कार्य करना जिससे भारतीय प्रजा में सामाजिक, प्रजातन्त्र एवं विश्व शान्ती का माहौल स्थापित करना ।
धारा ३ भारत देश को आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी, आत्म विश्वास, आत्म योग्यता, आत्मशक्ति, देशभक्ति के रूप में सुदृढ़ करना दल का मुख्य उद्देश्य होगा ।

सनातन संस्कृति रक्षा दल अपने सिद्धान्तों नीतियों लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इसके कार्यक्रम कार्य और गतिविधियाँ

धारा : १ भारतीय प्रजा के हितार्थ व भारत राष्ट्र में सनातन संस्कृति रक्षा दल के कल्याणार्थ व विकासार्थ ऐसे देश भक्त, चरित्रवान, कर्मठ व जनसेवी, पुरुष व महिला जनसेवी, प्रतिनिधियों का चयन करके सदस्य बनायेगा जो भारत संघ की सुरक्षा, एकता, अखंडता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने में पूर्ण आस्था व विश्वास रखते हो जिससे भारतीय राज व्यवस्था को एक स्वस्थ्य व पूर्वकालीय पूर्ण दलीय व पूर्ण बहुमतीय राज व्यवस्था की स्थापना कर भारतीय प्रजा का कल्याण व विकास करेगी ।

- देशहित में कार्यरत सनातन संस्कृति रक्षा दल का प्रत्येक भारतवासी हृदय खोलकर प्रसन्नतापूर्वक हर प्रकार से योगदान प्रदान करें जिससे प्रत्येक भारतवासी के योगदान से भारत पुनः विश्वगुरू बनें ।
- देशहित में कार्यरत सनातन संस्कृति रक्षा दल का खाता संख्या **37740200000075** बैंक ऑफ बड़ौदा शाखाःकोराँव प्रयागराज, उत्तर प्रदेश **IFSC Code No. BARBO KORAON** में सहयोग राशि प्रदान करे ।
- देश के उज्जवल व सुन्दर भविष्य के निर्माण हेतु दल की सदस्यता अवश्य ग्रहण करें व देश को सम्पन्न बनाऐं ।

सत्य सनातन धर्म और भारत देश की रक्षा के लिए अनुदान करें
UPI Number - 9651939344

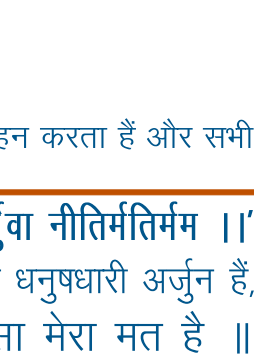

धर्म चंद्र अग्रहरी
जिला अध्यक्ष मिर्जापुर
सनातन संस्कृति रक्षा दल

विशेष ध्यान दें देश के सभी महत्वाकांक्षी एवं सुयोग्य व्यक्तियों का सनातन संस्कृति रक्षा दल आवाहन करता हैं और सभी लोंगों का हृदय से स्वागत करता है ।

स्वागत करते हुए आपको कहना चाहते है कि

निवेदक :
समस्त भारतवासी

"यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः। तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम ।।"
हे राजन्! जहां योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण है और जहाँ गाण्डीव धनुषधारी अर्जुन हैं, वहीं पर श्री, विजय, विभूति और अचल नीति है–ऐसा मेरा मत है ॥

सनातन संस्कृति रक्षा दल यह पत्रक अच्छी तरह से पढ़ें और विचार करें फिर सनातन का साथ दें, स्वयं का भला करें। **सनातन के साथ में ही सब का कल्याण है। ..... धन्यवाद**

E-mail : sanatansanskritirakshadal@gmail.com Website : www.sanatansanskritirakshadal.org
Sanatan Sanskriti raksha dal @sanatanDal_ sanatansanskritiraksha.dal @sanatansanskritiRakshadalparty

सुखी स्वस्थ और सम्मानित जीवन जीने के लिए सनातन संस्कृति रक्षा दल को समर्थन करें

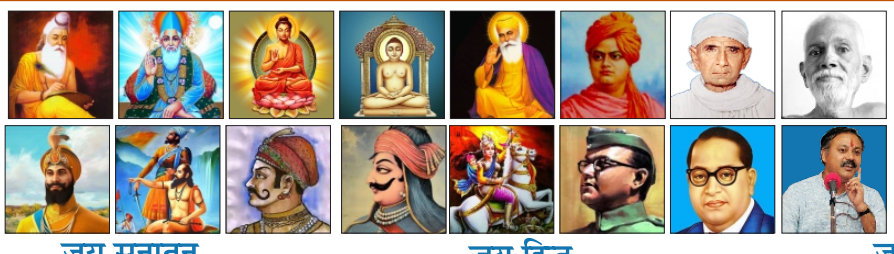

जय सनातन
सनातन दल अपनाऐं

जय हिन्द

जय भारत
देश को आनन्दमय बनायें

शुद्ध राजनीति | सुदृढ़ सरकार | सुंदर व्यवस्था

सनातन संस्कृति रक्षा दल

राजनैतिक दल
Political Party

राष्ट्रीय कार्यालय : तराँव, कोराँव, प्रयागराज उ.प्र. –212306 (भारत) सम्पर्क सूत्र 9651939344, 6398285526, 8881406665, 9956282464

सबका मंगल, सबका भला, सबकी उन्नति ।

॥ सर्वे भवन्तु सुखिन :, सर्वे सन्तु निरामया ॥ ॥ सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, माँ कश्चिद् दुःख भाग भवेत् ॥

अर्थात : सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय बनें और कोई भी दुःख का भागी न बनें । हे भगवन हमें ऐसा वर दो !

ऊँ गुरू चरण दास
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9651939344
6398285526

सभी प्राणियों के हित में रत

गुरु कृपा हि केवलं शिष्यस्य परम मंगलम्

॥ भारत पुनः विश्वगुरु हो यह है संकल्प हमारा ॥

योग युक्त भारत, स्वस्थ भारत, भय मुक्त भारत

बलदाऊ महाराज
राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

सम्राट विक्रम प्रताप सिंह
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

क्षितीश कुमार सोनी
प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली

सनातन संस्कृति रक्षा दल के सहयोगी संस्थाओं के द्वारा किया जाने वाला सेवा कार्य

सहयोगी संस्था - सनातन सेवा समिति

॥ संस्था के उद्देश्य ॥

संस्था के उद्देश्य / **Objectives of Society:** (ये उद्देश्य विज्ञान, साहित्य या ललित कला की प्रोन्नति, शिक्षा के लिये, बहुउदेशीय, से सम्बंधित है)

1. गोवंश संवंधन व संरक्षण करना, गोवध व तस्करी से गौवंश की रक्षा करना के साथ जन कल्याण के कार्य करना तथा बिमार एवं घायल पशु–पक्षियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना तथा गौशाला की स्थापना करना ।
2. पशुओं हेतु निः शुल्क चिकित्सको से समय–समय पर जाँच कराना व उनके रहने की व्यवस्था करना ।
3. संस्था द्वारा अवैध रूप से सड़को पर घूम रही लावारिस पशु गाय, बैल आदि का संरक्षण करना तथा उनको अपनी गौशाला में रखकर उनका उचित ढंग से देखरेख करना इस हेतु समय–समय पर सरकार से सहायता लेना
4. कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन करना तथा युवाओं को सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों में सक्षम बनाकर स्वरोजगार मुहैया करना तथा प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रमों का संचालन करना ।
5. दिव्यांगों, वृद्धों, महिलाओ, अनाथ एवं आश्रम विहीन बच्चों, बालश्रमिकों, आदि के उत्थान, विकास पुर्नवास आश्रय, पुर्नस्थापना प्रशिक्षण, रोजगार स्थापन हेतु समस्त प्रकार के कार्ययोजनाओं का संचालन करना उनकों यथा आवश्यकतानुसार समस्त सुविधाए, संसाधन एवं निःशुएक कानूनी सहायता उपलब्ध कराना तथा वृद्ध आश्रम, महिला प्रबंधन एवं संचालन करते हुए पीडित परिवारीजनों को परामर्श मार्गदर्शन प्रदान करना ।
6. महिलाओं को विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षण देना, महिलाओं को निःशुल्क शिशु देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य पोषाहार, आर्थिक नियोजन आदि से सम्वन्धित शिक्षण व प्रशिक्षण देना समस्याओं जैसे बाल विवाह, दहेज, तलाक, विधवा, जीवन यापन, महिला रोजगार, घरेलू हिंसा रोकथाम हेतु कार्य करना तथा इसके सम्बन्ध में बल्याणकारी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना ।
7. बेरोजगारी को दूर करने के लिए प्रशिक्षको द्वारा महिलाओं एवं पुरुषों को प्रशिक्षित करके स्वरोजगार दिलाने में सहयोग करना ।
8. भारत सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकसित ई गर्वनेस, ई० सर्विस तथा डिजिटल इण्डिया आदि के क्षेत्र में लोगों में व्यापक जागरुकता, प्रचार प्रसार तथा प्रशिक्षण आदि से सम्बन्धित कार्य करना तथा लोगों को उपरोक्त के संदर्भ में प्राप्त लाभों तथा प्रतिलाभों से अवगत कराना तथा उन्हें उक्त प्रौद्योगिकी के सम्बन्ध में अधिक से अधिक अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करना ।
9. समाज के समस्त वर्गों के शैक्षिक विकास हेतु सी०बी०एस०ई० आई०सी०एस०सी० तथा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ०प्र० के निर्देशों के अनुसार उक्त पैटर्न पर प्राथमिक स्तर से लेकर जूनियर हाई स्कूस, हाईस्कूल इण्टर, स्नातक, परास्नातक तथा विधि विद्यालय, अध्यापन प्रशिक्षण, आई०टी०आई०, पॉलिटेक्निक आदि के प्रशिक्षण व शिक्षण आदि हेतु विद्यालयों का संचालन एवं प्रबंधन करना। आधुनिक शैक्षिक प्रणाली के विकास हेतु अनुसंधान एवं शोध करना तथा शिक्षा के चैमुखी विकास हेतु विद्यालय न जाने वाले बालक–बालिकाओं महिलाओं एवं पुरुषों हेतु केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित समस्त प्रकार के साक्षरता कार्यक्रमों का प्रबन्धन एवं संचालन करना ।
10. आधुनिक सूचना युग में कम्प्यूटर तथा प्रौद्योगिकी विकास हेतु शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों तक निःशुल्क कम्प्यूटर तथा प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करना तथा मम्प्यूटर शिक्षा एवं प्रशिक्षण से सम्बन्धित स्नातक, परास्नातक तथा कम्प्यूटर प्रबन्धन प्रशिक्षण संस्थानो आदिका मान्यता प्रदान करने वाली परिषदों से मान्यता प्राप्त करने के उपरान्त संचालन एवं प्रबन्धन करना ।
11. विभिन्न निःशुल्क अस्पतालों, स्वयं सेवी संस्थाओं, पुस्तकालतय, वाचनालय या अन्य प्रकार की संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन करना तथा स्वास्थ्य परीक्षण नियोजन, टीकाकरण, नेत्र उपचार व अन्य बीमारियों आदि से सम्बन्धित बच्चों, महिलाओं युवाओं तथा वृद्धों हेतु निःशुल्क शिविरों का आयोजन करना तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में निशुल्क चिकित्सालय व औषधालय की स्थापना करना, प्रबन्धन एवं संचालन करते हुए समस्त स्वास्थ्य सेवायें निःशुल्क उपलब्ध करना ।
12. क्षेत्र के शिक्षत बेरोजगारों को कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु आई०टी०आई० पॉलिटेक्निक तथा एन०सी०वी०टी०के द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप मान्यता प्रापत करने के उपरान्त प्रशिक्षण संस्थान, विद्यालयों आदि की स्थापना, प्रबन्धन एवं संचालन करना ।
13. गरीब व्यक्तियों को पूर्णरुपेण आत्मनिर्भर बनाना ।
14. मानव व सर्वांगीण विकास एवं साक्षरता अभियान द्वारा साक्षर बनाना ।
15. अशिक्षित को शिक्षित एवं साकार बनाना ।
16. संस्था द्वारा परिवार सम्बन्धित कार्यक्रमों को चलाना एवं निःशुल्क चिकित्सा व्यवस्था कराना ।
17. गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों बच्चों की निःशुल्क शिक्षा एवं साक्षार अभियान द्वारा कला एवं वाणिज्य द्वारा प्रोत्साहन करना
18. समाज में व्याप्त महिलाओं पर किये गये अपराधो, शौषण आदि हेतु संस्था द्वारा नारी निकेतन केन्द्र की स्थापना करना ।
19. विधवाओं एवं वृद्ध महिलाओं एवं पुरुषों को सस्था द्वारा आर्थिक सहायता एवं बृद्धा आश्रम की स्थापना करना ।
20. संस्था द्वारा बाल मजदूर श्रमिको को मुक्ति एवम उनके भरण पोषण की व्यवस्था करना ।
21. निराश्रित बच्चों के लिए अनाथालय की स्थापना कराना वं संचालित करना ।
22. समय समय पर संस्था द्वारा सामान्य एवं गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन (दहेज रहित) कराना ।
23. संस्था के उपरोक्त उद्देश्यों एवं आवश्यकता की पूर्ती हेतु सरकारी तथा गैर सरकारी वित्त पोषक सस्थाओं एवंम समाज कल्याण विभाग, उद्योग व अन्य प्रतिष्ठानो से वित्तीय सहायता प्राप्त करना ।
24. मानव कल्याण हेतु एवं प्रत्येक व्यक्ति को सुदृढ़ खुशहाल एवं मानवीकरण का विकास करने के लिए सनातन धर्म की प्रत्येक संस्थाओं द्वारा धर्म पुष्टियथावत धर्म पूजन द्वारा आस्था के साथ अनेक वितरण कार्यक्रमों का आयोजन एवं यज्ञादि कार्य सम्पूर्ण कराना ।
25. समाज के कमजोर वर्गों यथा अनु० जाति, पिछड़ी जाति, अनु० जनजाति के निर्धन छात्र/छात्राओ को निःशुल्क शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करना तथा इस सम्बन्ध में राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से दान/अनुदान, चन्दा प्राप्त करना ।
26. समाज के निर्धन व मेधावी छात्रों को शिक्षित करने हेतु पुस्तके व पठन–पाठक सामग्री उपलब्ध कराना ।
27. पुस्तकालय व वाचनालय की स्थापना करना ।
28. असहाय शिक्षा एवं अपंग महिलाओं की सहायता एवं मदद करना ।
29. योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं मनोविज्ञान के प्रति जन साधारण को जागरूक करना, उनकी उपयोग करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम करना जिससे निरोग समाज का निर्माण हो सके ।
30. निःशुल्क स्वास्थ्य एवं सफाई की सुविधाएं जन साधारण को उपलब्ध कराना। ग्रामीण स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना व संचालन करना । निःशुल्क परिवार कल्याण, जनसंख्या को, टीकाकरण, स्वास्थ्य रक्षा आदि कार्यक्रमों का संचालन करना तथा जन साधारण में जागरुकता फैलाना, गम्भीर बीमारियों जैसे एड्स, कैंसर, चेचक, पोलियों, निर्जलन, मलेरिया, चेचक, आदि उन्मूलन के उपायो को राज्य, केन्द्र को सुझाना एवं इनसे सम्बन्धित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का संचालन करना ।
31. महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु निराश्रित महिला कल्याण केन्द्रो, नारी निकेतनों, महिला पालिटेकनिक, शिल्प कला केन्द्रो, सिलाई, कढाई, कताई, बुनाई, हेयर एण्ड स्किन केयर, फैशन डिजाइनिंग, ड्रेस डिजाइनिंग, कम्प्यूटर व टंकण प्रशिक्षण नृत्य एवं गायन आदि के शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों को खोलना तथा संचालित करना ।
32. भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करना वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, पेट्रोलियम बचत, सड़क, पंचायती राज, रेलवे मंत्रालय, सामाजिक, कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय, समाज कल्याण मंत्रालय, श्रम मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय, परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, कपार्ट इत्यादि केन्द्र/राज्य के मंत्रालयों तथा उनसे सम्बन्धित विभागों के कार्यक्रमों को क्रियान्वित करना। राज्य सरकार तथा उनके द्वारा चलायी जा रही योजनाओं को सही लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए सेतु का कार्य करना इसके लिए केन्द्र/राज्य से दान–अनुदान, ऋण प्राप्त करना ।
33. पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिकी संतुलन बनाये रखने से संबंधित कार्यों का निष्पादन तथा इससे संबन्धित जन जागरण एवं जन सहभागिता को बढ़ावा देना । तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम करना ।
34. डेकेयर तथा मनोरंजन केन्द्रों की स्थापना, समाज के निराश्रित वृर्दा, महिलाओं एवं बच्चों विशेषयता निर्बल एवं पिछड़े वर्ग से सम्बन्धित लोगों के लिए 'डे केयर सेण्टर, कल्याण केंद्र मनोरंजन केंद्र सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन संचालन व प्रचार प्रसार करना ।
35. अन्य वे सभी कार्य करना जो सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट की धारा २० के अन्तर्गत मान्य हों ।

सत्य सनातन धर्म और भारत देश की रक्षा के लिए अनुदान करें
UPI Number - 9651939344
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
BHIM Baroda Pay
SCAN TO PAY WITH ANY BHIM UPI APP
SANATAN SANSKRITI RAKSHA DAL
sanat96519@barodampay
UPI | Paytm | BHIM

धर्म चंद्र अग्रहरी
जिला अध्यक्ष मिर्जापुर
सनातन संस्कृति रक्षा दल

- देशहित में कार्यरत सनातन संस्कृति रक्षा दल का प्रत्येक भारतवासी हृदय खोलकर प्रसन्नतापूर्वक हर प्रकार से योगदान प्रदान करें जिससे प्रत्येक भारतवासी के योगदान से भारत पुनः विश्वगुरू बनें ।
- देशहित में कार्यरत सनातन संस्कृति रक्षा दल का खाता संख्या **37740200000075** बैंक ऑफ बड़ौदा शाखाःकोराँव प्रयागराज, उत्तर प्रदेश **IFSC Code No. BARBO KORAON** में सहयोग राशि प्रदान करे ।
- देश के उज्जवल व सुन्दर भविष्य के निर्माण हेतु दल की सदस्यता अवश्य ग्रहण करें व देश को सम्पन्न बनाऐं ।

विशेष ध्यान दें देश के सभी महत्वाकांक्षी एवं सुयोग्य व्यक्तियों का सनातन संस्कृति रक्षा दल आवाहन करता हैं और सभी लोंगों का हृदय से स्वागत करता है ।

स्वागत करते हुए आपको कहना चाहते है कि

निवेदक :
समस्त भारतवासी

"यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः। तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम ।।"
हे राजन्! जहां योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण है और जहाँ गाण्डीव धनुषधारी अर्जुन हैं, वहीं पर श्री, विजय, विभूति और अचल नीति है–ऐसा मेरा मत है ॥

सनातन संस्कृति रक्षा दल यह पत्रक अच्छी तरह से पढ़ें और विचार करें फिर सनातन का साथ दें, स्वयं का भला करें। **सनातन के साथ में ही सब का कल्याण है। ..... धन्यवाद**